प्रेस विज्ञप्ति

बिजनौरः— 10 अप्रैल,2018 :— जिलाधिकारी अटल कुमार रॉय ने ग्राम सुन्दरवाला के एक कृषक की काश्त की भूमि पर वन विभाग द्वारा कब्ज़ा किये जाने की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए उन्होंने वन एवं राजस्व अधिकारियों को संयुक्त रूप से मौके पर जा कर शिकायत का जायजा लेने तथा प्रकरण की जांच प्राथमिकता के आधार पर कर 10 दिन के भीतर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिले में किसानों का उत्पीड़क किसी भी स्तर से बर्दाशत नहीं किया जाएगा। किसानों द्वारा अस्पतालों में चिकित्सकों के कम होने की शिकायत किए जाने पर उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये कि शासन से पत्राचार कर चिकित्सकों सहित अन्य आवश्यक स्टाफ की मांग करें और स्वयं भी इस ओर ध्यान दें ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित स्वास्थ्य केन्द्रों पर उचित उपचार की सुविधायें उपलब्ध हो सकें।

जिलाधिकारी श्री रॉय आज पूर्वान्ह 11.30 बजे स्थानीय कलैक्ट्रेट के सभागार में आयोजित किसानों की समस्याओं के निराकरण के सम्बन्ध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे।

जिलाधिकारी ने कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में नक़ली खाद अथवा कीट नाशक दवाईयों की खरीद व फरोख़्त नहीं होनी चाहिए। उन्होनें निर्देश दिये कि सभी दुकानों को निर्धारित चैक लिस्ट के आधार पर चैक करें और नक़ली खाद अथवा कीटनाशक दवाईयां मौजूद पाए जाने पर तत्काल दुकान को सील करते हुए दुकान स्वामी के विरूद्व एफआईआर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि खेतों से गुजरने वाली जर्जर तार लाईनों की अपेक्षित मरम्मत करें बहुत ज्यादा खराब हालत होने पर उन्हें बदलना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किसान बन्धु सहित किसी भी बिजली उपभोक्ता को गलत बिल न भेजें और न ही उनके खिलाफ़ गलत रूप से आर सी जारी करें। उन्होनें कहा कि ऐसा प्रकरण संज्ञान पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियो के विरूद्व नियमानुसार कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।

श्री रॉय ने जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिये कि जिले के शत प्रतिशत किसानों का ऑल लाईन पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें ताकि उन्हें शासकीय कृषि योजनाओं एवं कार्यक्रमो का भरपूर लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियो को निर्देश दिये कि कृषक बन्धुओं की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करें और इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। उन्होनें कृषि अधिकारियों को निर्देश दिये कि गोष्ठियों के माध्यम से किसानों को शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध करायें तथा उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ–साथ उनकी आर्थिक आय में अपेक्षित वृद्वि करने के वैज्ञानिक एवं तकनीकी उपायों की अद्यतन जानकारी भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डा0 इन्द्रमणि त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनोद कुमार गौड़, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 राकेश मित्तल, उप कृषि निदेशक जे0पी0 चौधरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी तथा भारी संख्या में किसान मौजूद थे।